**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 07-11-2022**

**जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-11-07 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2022-11-08 | 2022-11-09 | 2022-11-10 | 2022-11-11 | 2022-11-12 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 34.0 | 31.0 | 32.0 | 31.0 | 30.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 21.0 | 19.0 | 18.0 | 18.0 | 16.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 33 | 33 | 30 | 46 | 46 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 19 | 19 | 17 | 18 | 21 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 10.0 | 7.0 | 9.0 | 12.0 | 10.0 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 78 | 193 | 275 | 47 | 62 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 2 | 2 | 1 | 0 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में आसमान में आंशिक बादल छायें रहने की सम्भावना है। आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 30.0 से 34.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 16.0 से 21.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

## सामान्य सलाहकार:

जीरे की फसल की बुवाई का उपयुक्त समय 15 से 30 नवम्बर तक है, इसलिए उन्नत बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। आर.जेड-19, जी.सी-4, आर.जेड-209 व आर.जेड-223 उन्नत किस्में है।

## लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसलों गेहूं, जौ, जीरे व ईसबगोल की बुवाई के लिए अच्छी किस्मों के प्रमाणित बीजों खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें ताकि समय पर बुवाई की जा सके।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | गेहूं की फसल की बुवाई का उपयुक्त समय नवंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो जाता है, इसलिए बुवाई के लिए हैरो से दो तीन बार जुताई कर पाटा लगाकर खेत को तैयार करें। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरपाईरिफाँस 20 ईसी 5 लीटर प्रति हैक्टर की दर से पलेवा के साथ दें। |

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | गेहूं की राज-4120, एच.डी-2969, जी.डब्ल्यु-11, के.एल.आर-210, के.एल.आर-13, राज-4238, राज-3077, राज-3777, राज-4037, राज-1482, लोक-1 व डब्ल्य.एच-147 उन्नत किस्मों की बुवाई करें। बीज की मात्रा 100 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर रखें। नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरको की मात्रा 60, 40 व 20 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर होनी चाहिएं। |
| कपास | कपास की फसल परिपक्क अवस्था में है। इसलिए कपास की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए पूरी तरह से खुली हुई कपास की गेंदों को समय पर चुनना शुरू करें। |
| जौ | जौ की RD-2794, RD-2052, RD-2035, RD-57, RD-31, RD-103, RD-2552, RD-2715 व Bilada-2 उन्नत किस्मों की बुवाई करें। बुवाई हेतु 100 किलो बीज प्रति हैक्टेयर की दर से उपयोग में लें। 2.5 ग्राम मैन्कोजेब से प्रति किलो बीज को उपचारित करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| | ईसबगोल की जी.आई-2, आर.आई-1, आर.आई-89 उन्नत किस्मों की बुवाई करे। है। बुवाई हेतु 4-5 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है। 15 किलो नत्रजन व 25 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर बुवाई के समय दें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | इस समय मौसम परिवर्तनशील रहने के कारण पशुओं को रात के समय छप्पर में बांधे। |